

DPN 6942

Title : गणपति हृदय / GANAPATI HRDAYA

Run. No. 7667

Cat. No.

Micro. No.

Subject धातु *dhāṭu*

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 8.2 x 16.0

Folios 6

Lines (in a page) 6/7

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

फणीन्द्रल वज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Phanindra Bhatta vajracarya

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu / centre stitched

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

ॐ नमो गणेशाय ॥ आर्य गणपति हृदयार्थे ॥ ॥ एकं मया श्रुतमेकास्मिन् समये भगवान् तज्जगृहे
विहसति स्म ॥ गृध्रकुल पर्वते महा किमु संधेन शार्ङ्गमर्धं यमोदयानि किमु सतेः

संस्कृत १९ बोधिलाल . महाशयै : ॥

समाप्ति / Colophon

आर्य गणपति हृदय। नाम धातुणी पौ समाप्ति हं ॥ ॥ ५ धर्मा हं . ॥

20

15

10

5

0



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

गंगाधर हृदय

फरारी नरल व म्मा चार्य

॥३॥

॥४॥

॥५॥



[illegible]

ओं ग स प ति पू र्णि ता य स्वाहा ॥ ओं क ट २ म ट २ द न २ वि द न २ रु न २
 गृ क्क २ धा व २ रं क २ र क्क २ रू क्क २ मा ह २ द ह २ द दा प य २ ध ना धि
 सि धिं म प य क्क ४ ॥ न मा म्बु क्क महा नृ प व च ना य स्वाहा ॥ ओं म्र
 रू क्क विं श लो क त्रि क्क महा भग क्क ति महा रु य महा व ल महा
 प्र ना क्क म महा ह स्ति ॥ द कि नी य शो द दा मि स्वाहा ॥ न मा म्बु क्क
 महा ग स प त य स्वाहा ॥ ओं न मा ग ४ ट ॥ ओं ग स प त य स्वाहा ॥
 ओं ग स धि प त य स्वाहा ॥ ओं ग न श्र वा य स्वाहा ॥ ओं ग स प ति पू

क्रियाय स्वाहा ॥ ओं कूबूस्वाहा ॥ ओं सुबूस्वाहा ॥ ओं मूबूस्वाहा ॥
ओं दुबूस्वाहा ॥ ओं तमानमस्वाहा ॥ ओं तमान्मुक्तः महागणपतये स्वा
हा ॥ मम सपरिवारस्य सर्वसत्त्वानां कृष्णमिदं कूबूस्वाहा ॥ ॐ दमा
नन्दगणपति हृदयाय ४ कश्चिन्कूलपूजावा ॥ कूल इति गावा ॥ हिं
वा ॥ हिंसीवा ॥ उपासिकावा ॥ उपासिकावा ॥ यत्किञ्चि कार्यमा
चरुम् ॥ कृष्णमरुसाधनेवा ॥ शिवत्नपूजावा ॥ दशभुगमनेवा ॥ या

ॐ कूलप्रवर्धनं वा ॥ अमुकानं वा ॥ कृतवृद्धानामुगवताप
क्रियता ॥ आर्यगणपतिर्हृदयाय ॥ सफवान्वालयिरुवा ॥
कस्य सर्वकार्यसि सिध्दं नानुसंभय ॥ सर्वकलिकलह ॥ उ
मडिम विग्रह विवादेषु निष्पन्नवत्तया ॥ सर्वप्रसन्नगच्छति ॥
दिन २ सफवाना नूचानयिरुवा मरुसोरागंधरविषयि ॥ वा
कूलमहासाशरविषयि ॥ अकिधनोरुविषयि ॥ नवास्प

कश्चिदवतावपि ॥ अथवावंगवकी ॥ अथवाव. पतिलरुहं ॥
वदास्य. वाधिविरुक्तवाथारुविष्यति ॥ जाति २ जातिस्मयोरु
विष्यति ॥ इदमवोवकुरुगवान्मनायूष्मानामन्दस्वचि
रुचरु. वाधिसत्वा. महासत्वा ४ सावेसद्यविनि. प्रपसादवमा
नूषा. सुनगपुङ्गवश्चलाकारगवकाणाधिरुह्येनन्दनिः
ति ॥ ॥ आर्यगक्षपति. रुदयानामधायक्षीपनिसमा

फलिनिर्द॥ ॐ ॥ अक्षरान्यादि॥ ॐ ॥



। वसुधाधल

धोदसन् २
कोलाको ५
वाकोद
कीसधाताय ५
कंसधनलागव ८
लिदमापो ५
लिधोलाय ३
कंसदमापा
कोपेलापा २
खादइसन्
पिउलाति ५
आमपोना ५
वइशालिदमापा
लिधवा ५
कपाकंसदमापा
। लिवाकोवागव ५
कंसवाकोवागव २

पौड्या लाव १
तड्या लाव २
मकं दाव १
लिक सनाव १
लिंदाव १

ገጽ ፩ ስምዖን

ገጽ ፩ ስምዖን

ገጽ ፩ ስምዖን

ገጽ ፩ ስምዖን

ገጽ ፩ ስምዖን

ገጽ ፩ ስምዖን

ገጽ ፩ ስምዖን

ገጽ ፩ ስምዖን